38WSA4

पाठ 16

छोटे–छोटे कदम

कदम, खूब, सुंदर

छोटे–छोटे कदम हमारे,
आगे बढ़ते जाएँगे।
पढ़ना कभी न छोड़ेंगे हम,
हर दिन पढ़ने जाएँगे।

छोटे–छोटे हाथ हमारे,
गड्ढे खूब बनाएँगे।
इन गड्ढों में अच्छे, सुंदर,
पौधे खूब लगाएँगे।

घर–आँगन को साफ रखेंगे,
गलियाँ साफ बनाएँगे।
कैसे जीना हमें चाहिए,
जीकर हम दिखलाएँगे।

शिक्षण–संकेत – बच्चों को लय के साथ कविता पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। वे अपनी अलग लय के साथ भी पढ़ सकते हैं। बच्चों को बताएँ कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। उन्हें यह भी बताएँ कि मेहनत करने से कभी घबराना नहीं चाहिए, जो काम हाथ में लें उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहिए। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

कदम = पग, खूब = बहुत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

कदम, आँगन, मेहनत, घबराना

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. पढ़ना क्यों जरूरी है?

ख. पेड़–पौधों से हमें क्या लाभ हैं?

ग. घर, सड़क, स्कूल सभी जगह सफाई क्यों जरूरी है?

घ. कविता में किसके बारे में बात कही गई है?

3. निम्नलिखित शब्दों से एक–एक वाक्य बनाकर बोलो –

मेहनत, फूल, गड्ढा, आँगन

4. पढ़ो, समझो और लिखो –

गली	– गलियाँ	पेड़	– पेड़ों
कली	–	बैल	–
सखी	–	घर	–
चक्की	–	दिन	–

5. अपने बारे में लिखो –

6. पढ़ो और समझो –

जाना –	मैं जाता हूँ।	तुम जाते हो।	वह जाता है।
पढ़ना –	मैं पढ़ता हूँ।	तुम पढ़ते हो।	वह पढ़ता है।
लिखना –	.....	.....	.....
हँसना –	.....	.....	.....
देखना –	.....	.....	.....

7. पाठ में जिन शब्दों में क, ह, ग, का उपयोग हुआ है, उन्हें लिखो– जैसे –

क – कदम, ———————— ————————

ह – हम, ———————— ————————

ग – गलियाँ, ———————— ————————

8. अपने स्कूल के बारे में लिखो।